भारतीय विद्यालय, डारसेट

टोपी शुक्ला

प्रश्नोत्तर - कार्यपत्रिका

कार्यपत्रिका :	**नामः ----------**
शिक्षिका - बीना स्टीफन	**कक्षा - X B**
दिनांक : ----------	

	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।	
प्र 1.	इफ़्फन की टोपी शुक्ला की कहानी का महत्वपूर्ण हिस्सा किस तरह से है?	3
उ.	टोपी शुक्ला कहानी का ताना-बाना दो दोस्तों एवं अपने पारिवारिक स्थितियों का ध्यान में रखकर बुना गया है। इफ़्फन टोपी का अभिन्न मित्र है। उसके बिना यह कहानी अधूरी है। कहानी में स्थान-स्थान पर उसका तथा उसके परिवार का जिक्र आता है। उसके बिना इसकी रचना नहीं हो सकती थी। भिन्न-भिन्न धर्मों के होने के बावजूद दोनों में घनिष्ठ का जिक्र आता है। उसके बिना इसकी रचना नहीं हो सकती थी। भिन्न-भिन्न धर्मों के होने के बावजूद दोनों में घनिष्ठ मित्रता थी।	
प्र 2.	इफ़्फन की दादी अपने पीहर क्यों जाना चाहती थी**?**	3
उ.	इफ़्फन की दादी एक ज़मींदार परिवार से ताल्लुक रखती थी। उनका ब्याह लखनऊ में हुआ तो उन्हें लखनउ आना पड़ा। अपने पीहर में वे दूध-दही बहुत खाती थीं, परंतु ससुराल में वे इन सब चीजों के लिए तरस गईं। ऊपर से उनके पति मौलवी थे। उन्हें भी मौलविन बनना पड़ा। जिस कारण वे बेचैन रहती थीं। जब वे मरने लगीं तो उनसे पूछा गया कि उन्हें कहाँ दफनाया जाए, तो वे बोलीं, तुम लोग मुझे मेरे पीहर भेज दों।	
प्र 3.	दादी अपने बेटे की शादी में गाने-बजाने की इच्छा पूरी क्यों नहीं कर पाई?	3
उ.	दादी अपने बेटे की शादी में गाने-बजाने की इच्छा इसलिए पूरी नहीं कर पाई क्यों कि दादी का विवाह मौलवी से हुआ था और उनके यहाँ इस प्रकार जश्न मनाने का रिवाज न था।	
प्र 4.	अम्मी शब्द पर टोपी के घरवालों की क्या प्रतिक्रिया हुई?	3
उ.	टोपी शुक्ला ने जब खाने की मेज़ पर अम्मी शब्द का उच्चारण किया तब सभी घरवालों के होश उड़ गए। वे टकटकी लगाए टोपी की तरफ़ देखने लगे। टोपी की माँ खाना परोस रही थीं। उन्होंने गुस्से से पूछा - यह शब्द तुमने कहाँ से सीखा? दादी सुभद्रा देवी तो उसी वक्त खाने की मेज़ से उठ गईं और माँ रामदुलारी ने टोपी को तब बहुत मारा।	

प्र 5.	दस अक्तूबर सन् पैंतालीस का दिन टोपी के जीवन में क्या महत्व रखती है?	3
उ.	दस अक्तूबर पैंतालीस का दिन टोपी के जीवन में बहुत महत्व रखता है क्योंकि इसी दिन टोपी के मित्र इफ़्फन के पिता का तबादला मुरादाबाद हो गया था और वे मुरादाबाद चले गए। अब टोपी बिल्कुल अकेला पड़ गया। इस दिन टोपी ने कसम खाई कि वह फिर किसी ऐसे लड़के से दोस्ती नहीं, जुसके पिता का तबादला होती रहता हो।	
प्र 6.	टोपी ने इफ़्फन से दादी बदलने की बात क्यों कही?	3
उ.	टोपी ने इफ़्फन से दादी बदलने की बात इसलिए कही क्यों कि उसे इफ़्फन की दादी बहुत अच्छी लगती थीं। टोपी जब भी इफ़्फन के घर जाता था तो वह उसकी दादी के पास बैठने की कोशिश करता था। टोपी को अपनी दादी अच्छी नहीं लगती थीं क्यों कि उसकी स्वयं की दादी बहुत अनुशासनप्रिय थीं। वह टोपी को कहानियाँ भी नहीं सुनाया करती थीं। टोपी को उनकी भाषा भी समझ में नहीं आती थी। इसलिए उसने दादी बदलने की बात कही।	
प्र 7.	पूरे घर में इफ़्फन को अपनी दादी से ही विशेष स्नेह क्यों था?	5
उ.	इफ़्फन को अपनी दादी से बहुत स्नेह था। स्नेह तो उसे अपने अब्बू, अपनी अम्मी, अपनी बाजी और छोटी बहन नुजहंत से भी था, परंतु दादी से वह ज़रा ज़्यादा प्यार किया करता था। अम्मी तथा बाजी कभी-कभार डाँट-मार दिया करती थीं। अब्बू भी डाँट देते थे मगर दादी बेहद प्यार करती थी। उसने कभी इफ़्फन को डाँटा नहीं था। दादी उसे कहानियाँ सुनाती थी।	
प्र 8.	इफ़्फन की दादी के देहांत को बाद टोपी को उसका घर खाली - सा क्यों लगा?	5
उ.	इफ़्फन की दादी के देहांत के बाद टोपी को उसका घर खाली-सा लगा क्यों कि उस घर में दादी के अलावा कोई नहीं था जो उसका दर्द समझ सकता। इफ़्फन की दादी भी अपने भरे घर में अपने को अकेला समझती थी। उधर टोपी भी अपने घर में अकेलापन महसूस करता था। जब दोनों की मुलाकात हुई तो दोनों ने एक-दूसरे का एकांत समाप्त कर दिया। टोपी को उसका नाम तक मालूम नहीं था। कभी उसके हाथ से कुछ खाया-पीया नहीं, मगर दोनों में एक अटूट संबंध था। यही कारण था कि टोपी को दादी के देहांत के बाद इफ़्फन का घर खाली-सा लगा।	
प्र 9.	टोपी और इफ़्फन की दादी अलग-अलग मजहब और जाति के थे पर एक अनजान अटूट रिश्ते से बँधे थे। इस कथन के आलोक में अपने विचार लिखिए।	5
उ.	टोपी और इफ़्फन की दादी अलग-अलग मजहब और जाति के थे। मगर दोनों अटूट रिश्ते से बँधे थे। प्यार का बंधन किसी जाति और धर्म को नहीं मानता। जब दिल से दिल मिलता है तो जाति और धर्म बेमानी हो जीते हैं। दादी ने टोपी के दिल को पहचाना और टोपी ने दादी के प्यार को माना। इस प्रकार दोनों में एक पाक-साफ रिश्ता बना। इफ़्फन की दादी के आँचल में टोपी अपना अकेलापन भूल जाता था। दादी को भी टोपी के साथ अपनेपन का अहसास होता था।	

प्र10.	टोपी नवीं कक्षा में दो बार फ़ेल हो गया बताइए– (क) ज़हीन होने के बावजूद भी कक्षा में दो बार फ़ेल होने के क्या कारण थे? (ख) एक ही कक्षा में दो-दो बार बैठने से टोपी को किन भावात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ा? (ग) टोपी की भावात्मक परेशानियों को मद्देनज़र रखते हुए शिक्षा व्यवस्था में आवश्यक बदलाव सुझाइए?	
उ..(क)	टोपी होशियार होने के बाद भी नवीं कक्षा में दो बार फ़ेल हो गया। इसके दो कारण थे। पहले साल तो वह पढ़ नहीं पाया क्यों कि घर के सदस्य उससे अपने-अपने काम करवाते थे। छोटा भाई भैरव उसकी कापियाँ फाड़ देता था। दूसरे साल उसे टाइफाइड हो गया और वह पढ़ नहीं पाया। (ख) एक ही कक्षा में दो बार बैठने पर टोपी को अनेक भावात्मक परेशानियाँ उठानी पड़ी। कक्षा में की उसका दोस्त न बन सका जुसके साथ वह अपने दिल की बात कर सकता । मास्टर जी बात-बात पर दूसरे छात्रों को उसका उदाहरण देते थे। कक्षा के दूसरे छात्र उसका उपहास करते थे। मास्टर जी जब उसका मज़ाक उड़ाते तो कक्षा के छात्र हँसते थे। वह तना शर्माता था कि उसकी गर्दन ऊपर न उठती थी। (ग) टोपी को जिस तरह की भावात्मक परेशानिस्याँ उठानी पड़ी उससे हमारी शिक्षा-व्यवस्था की कई कमजोरियाँ उजागर होती हैं। किसी भी छात्र का वार्षिक आकलन करते समय उसके पिछले वर्षों के परिणामों पर भी ध्यान देना चाहिए। कोई भी छात्र पिछले वर्षों में अच्छा परिणाम लाता रहा हो और किसी कारणवश इस वर्ष परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन न कर पाया तो उसे अनुतीर्ण नहीं बल्कि पिछले परिणामों के आधार पर उत्तीर्ण घोषित किया जाए। अध्यापक को चाहिए कि छात्रों की भावनात्मक परेशानियों का ध्यान रखें। किसी एक छात्र को मज़ाक का पात्र न बनाएँ।	5
प्र 11.	इफ़्फन की दादी के मायके की घर कस्टोडियन में क्यों चला?	
उ.	इफ़्फन की दादी पूर्व में किसी जगह की रहने वाली थी। वह तो ब्याह कर लखनऊ गई, मगर विभाजन के समय उसके मायके के लोग पना घर छोड़कर पाकिस्तान चले गए। पीछे बचा उनका घर लावारिस हो गया। अतः वह क्सटोडियन में चला गया।	3